हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 13 फरवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

पशुपालन मेला संगोष्ठी आज

मण्डला। पशुपालन मेला-संगोष्ठी तथा पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन आज ग्राम बकौरी में पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह अंतर्गत किया जा रहा है। यहां सुबह 10.00 बजे में जिला स्तरीय पशुपालन मेला-संगोष्ठी एवं पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन पशुपालन विभाग द्वारा होगा। शिविर में पशुपालकों को उन्नत पशुपालन, विभागीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं की जानकारी दी जायेंगी। वहीं गौशालाओं पशु कल्याण से संबंधित कार्यों के संबंध में जानकारी दी जावेगी साथ ही बीमार पशुओं का उपचार एवं औषधि वितरण होगी। उपसंचालक डॉ. यू.एस. तिवारी ने जिले के पशुपालकों को अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर का लाभ उठाने हेतु अनुरोध किया है।

तीन दिवसीय जोन स्तरीय क्रीड़ा एवं साहित्यिक स्पर्धा आज से शुरू

मण्डला। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंडला में तीन दिवसीय क्रीड़ा व साहित्यिक स्पर्धा का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 13 से 15 फरवरी तक रहेगी। स्पर्धाओं में डाइट में अध्ययनरत छात्राध्यापक प्रतिभागिता करेंगी। स्पर्धा का शुभारंभ गुरूवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य एवं पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा तथा सीईओ जिला पंचायत श्री श्रेयांश कूमट की उपस्थिति में किया जाएगा।

सीएम हेल्पाईन के शिकायतों को गंभीरता से लें - अपर कलेक्टर

मण्डला। अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह ने सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों के निराकरण के संबंध में समीक्षा करते हुए कहा कि सभी जिला अधिकारी सीएम हेल्पलाईन के शिकायतों को गंभीरता से लें तथा इनका संतुष्टिपूर्वक निराकरण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि जिले की ग्रेडिंग सुधारने का प्रयास करें। 50 दिवस से अधिक वाले प्रकरणों को प्राथमिकता से लें एवं आवेदकों से बात करते हुए प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराएं। बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, संयुक्त कलेक्टर सीएल वर्मा, जेपी यादव, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती क्षमा सराफ, एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम सहित संबंधित उपस्थित थे।

औचित्यहीन अनुपयोगी स्थल पर बना 10 लाख 50 हजार का स्टॉप डेम

भ्रष्टाचार का जरिया बना स्टापडेम निर्माण

*** तकनीकि स्वीकृति किस आधार पर दी जाती।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

प्रत्येक निर्माण कार्य के पीछे जनहित का ध्यान रखा जाना चाहिए, तभी निर्माण कार्य की स्वीकृति दी जानी चाहिए। शासन जो राशि खर्च करता है, वह राशि अप्रत्यक्ष रूप से जनता की ही कहलाती है। इसका दुरूपयोग न हो, इसके लिए अनेक अधिकारी तैनात किए गये हैं। इसके बाद भी ऑख बन्द करके जिम्मेदारों द्वारा मनमाने बंदरबांट करने के चक्कर में दस्तावेजों पर कुछ और उल्लेख करके राशि का आहरण कर लेते हैं और धरातल कुछ और ही बयॉ करते हैं। जिले में अनेक स्टॉप डेम एवं अमृत सरोवर इसके शिकार हुए हैं। फिलहाल हम बात कर रहे हैं जनपद पंचायत मण्डला की ग्राम पंचायत सुभरिया में बने स्टॉप डेम की। यहां आर.ई.एस.विभाग के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत द्वारा गिट्टी क्रेसर के पास जनपद निधि 15वें वित्त से बने 10 लाख 50 हजार का स्टापडेम औचित्यहीन है। यह निर्माण कार्य पहाड़ी के बीचों बीच में बना दिया गया है जिसमें एक बूंद पानी नहीं रूकता और इस स्थल के आसपास खेत व बसाहट भी नहीं हैं एवं आवागमन भी नहीं होता है, फिर कैसे संबंधित तकनीकि अधिकारियों द्वारा दिनांक 14.06.2021 (क्रमांक 28) को इस निर्माण की स्वीककृति दे दी गई। यहां वाटर केचप एरिया का ध्यान नहीं रखा गया। जबकि तकनीकि स्वीकृति प्रतिवेदन में उल्लेख किया गया है कि, इस स्टापडेम के निर्माण से वर्षा का पानी रोककर ग्रामवासियों द्वारा निस्तार किया जायेगा एवं मवेशी पानी पी सकेंगे लेकिन यहां ऐसा कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। अब इस मामले में समाजसेवी अखिलेश सोनी ने बताया कि, तकनीकि अधिकारियों को सांसद, विधायक, मंत्रियों द्वारा तक अनुशंसित निर्माण कार्यों का धरातल में जाकर अवलोकन करने के बाद स्वीकृति प्रदान करनी चाहिए, लेकिन जिले में ऐंसा नहीं किया जा रहा है। अधिक राशि बचत करने की नीयत से उपयोगी व आवश्यक निर्माण कार्यों की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उक्त स्टापडेम में लगभग 4 लाख रूपये ही खर्च हुए होंगे और 10 लाख 50 हजार रूपये का मूल्यांकन कर दिया गया। श्री सोनी ने कहा कि, ग्राम पंचायत के चंद लोग यदि प्रस्ताव में हस्ताक्षर करके हवाई अड्डे की मांग करते हैं तो क्या हमारे तकनीकि अधिकारी हवाई अड्डे की स्वीकृति दे देंगे। ठीक ऐंसे ही इस स्टापडेम का हाल है। सूचना के अधिकार के तहत प्राप्त उक्त निर्माण कार्य के दस्तावेजों में उपयंत्री और एसडीओ के हस्ताक्षर में भी भिन्नता दिखाई दे रही है। मूल तकनीकि स्वीकृति में किसी और के हस्ताक्षर हैं और वर्किंग स्टीमेट फोर स्टापडेम कम रपटा कंस्ट्रक्शन में किसी और के हस्ताक्षर कराकर सचिव द्वारा दिया गया है। अब इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की अपेक्षा करते हुए मॉग की गई है कि, संबंधित जिम्मेदारों से उक्त निर्माण की राशि वसूल कर उपयोगी स्थल पर निर्माण कार्य कराया जाये, जिससे निर्माण के उद्देश्य की पूर्ति हो सके।

मृदुकिशोर कॉलोनी से आज निकलेगी भव्य कलश यात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

बिंझिया क्षेत्र में कटरा रोड स्थित मृदुकिशोर कॉलोनी से आज देवी पुराण की कलश यात्रा निकलेगी। मृदुकिशोर कॉलोनी में स्थापित श्री सिद्ध शक्ति पीठ में 07 दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है इस धार्मिक आयोजन के तहत आज सुबह 11 बजे से भव्य कलश यात्रा निकाली जायेगी कलश यात्रा में समिति की महिलाओं के साथ कॉलोनी में निवास करने वाले परिजन एवं आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालुजन सम्मिलित होंगे समिति की महिला कार्यकर्ताओं ने बताया कि सभी महिलायें एक निश्चित परिधान में कलश यात्रा में शामिल होंगी यह कलश यात्रा श्री सिद्ध शक्ति पीठ से प्रारंभ होकर बिंझिया स्थित खेरमाई मंदिर तक जायेगी और खेरमाई मंदिर में पूजन के उपरांत पुनः कार्यक्रम स्थल तक आयेगी। इस दौरान रास्ते में कलश यात्रा में शामिल लोगों का स्वागत पुष्पों एवं फलाहार से किया जायेगा। शोभायात्रा में कथा वाचक पंडित श्री प्रदीप दुबे जी भी उपस्थित रहेंगे उनके साथ अन्य विप्रगण जो कथा में सहयोगी की भूमिका निभायेंगे वे भी उपस्थित रहेंगे। आज 13 फरवरी को कलश यात्रा के साथ संगीतमय श्रीमद् देवी भागवत कथा का आयोजन प्रारंभ हो जायेगा कल से रोजाना सुबह 08 बजे से 12 बजे तक मूल पाठ किया जायेगा एवं दोपहर 02 बजे से सायं 05 बजे तक संगीतमय भागवत कथा श्रवण कराई जायेगी। 21 फरवरी दिन शुक्रवार को कथा की पूर्ण आहुति के साथ हवन-पूजन होगा हवन-पूजन के उपरांत कन्याओं का पूजन एवं कन्या भोजन कराया जायेगा और फिर इसके बाद भण्डारे का आयोजन किया गया है। यह पूरा आयोजन श्री सिद्ध शक्ति पीठ मृदुकिशोर कॉलोनी परिसर में आयोजित हो रहा है समिति सदस्यों ने सभी धर्मप्रेमी लोगों से इस धर्ममय कार्यक्रम में उपस्थित होकर धर्मलाभ उठाने की अपील की है।

राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा के सफल संचालन हेतु मजिस्ट्रियल ड्यूटी के आदेश

मण्डला। राज्य सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2025 का आयोजन रविवार 16 फरवरी को 2 सत्रों में किया जाएगा। परीक्षा का प्रथम सत्र सुबह 10 बजे से 12 बजे तथा द्वितीय सत्र दोपहर 2:15 से 4:15 तक जिला मुख्यालय के निर्धारित 4 परीक्षा केन्द्रों में आयोजित किया जाएगा। परीक्षा के सफल संचालन, कानून एवं शांति व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए मजिस्ट्रियल ड्यूटी लगाई गई है। कार्यालय कलेक्टर जिला मंडला की ओर से जारी आदेशानुसार परीक्षा केन्द्र क्रमांक 26/1 शासकीय जगन्नाथ स्कूल उत्कृष्ट विद्यालय मंडला तथा परीक्षा केन्द्र क्रमांक 26/2 रानी दुर्गावती शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़ी खैरी मंडला के लिए संयुक्त कलेक्टर श्री सीएल वर्मा मजिस्ट्रियल ड्यूटी पर होंगे। इसी प्रकार परीक्षा केन्द्र क्रमांक 26/3 रानी अवंती बाई शासकीय कन्या हायरसेकेंडरी स्कूल मंडला तथा परीक्षा केन्द्र क्रमांक 26/4 शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पुलिस स्टेशन महाराजपुर मंडला के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व मंडला श्रीमती सोनल सिडाम मजिस्ट्रियल ड्यूटी पर होंगी। संपूर्ण परीक्षा के लिए अपर कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार सिंह नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं।

पं.दीनदयाल की पुण्यतिथि पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया श्रद्धा सुमन अर्पित

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

उत्कृष्ट संगठनकर्ता, अंत्योदय एवं एकात्म मानववाद के प्रणेता, प्रखर राष्ट्रवादी, हमारे पथ प्रदर्शक पं. दीनदयाल उपाध्याय जी की पुण्यतिथि पर भारतीय जनता पार्टी, मंडल बिछिया में मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट एवं वरिष्ठजनों द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वल कर माल्यार्पण किया गया। उनके जीवन पर महत्वपूर्ण प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम में आजाद चौबे, लेखन राजपूत, दानसिंह राजपूत, शशिकांत श्रीवास्तव, माहेश्वरी जंघेला, प्यारे लाल कोराम, रजनी मरावी, इलावती पाटिया, रुक्मणि साहू, श्रीमती ताम्रकार, पुरुषोत्तम शुक्ला, ज्ञानेंद्र शुक्ला, बलरामपुरी गोस्वामी, योगेश यादव, विकास गोस्वामी, आदित्य राजपूत, लड्डू राय, दीपक कटारे, विमल चौधरी, भूपेंद्र मिंटू ठाकुर, धनराज साहू, श्याम लाल, विक्की गोस्वामी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आयोजन | **शिक्षा और सांस्कृतिक विकास का महोत्सव बना वार्षिक समारोह।**

आस्था और अध्यात्म का संगम रही नृत्य-नाटिका

*** रतन टाटा के जीवन पर प्रेरणादायी प्रस्तुति।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

ब्रेन चाइल्ड एकेडमी स्कूल में वार्षिक उत्सव उड़ान 2025 का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और भव्यता के साथ किया गया। यह कार्यक्रम विद्यार्थियों की अद्भुत प्रतिभा, सांस्कृतिक धरोहर और देशभक्ति की भावना का उत्सव था, जिसमें विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। देश की विविधता को समेटे अतुल्य भारत की लोक संगीतमाला में विभिन्न प्रांतों की लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली। वहीं भगवान गणेश वंदना (डांस फ्यूजन) ने आध्यात्मिकता का रंग बिखेरा। संगीत और नाटक का सुंदर समावेश 2024 में भारत की उपलब्धियों पर सूफियाना कव्वाली में देखने को मिला, जिसने दर्शकों को देश की प्रगति पर गर्व करने का अवसर दिया। इसी क्रम में महाकुंभ 2025–आस्था और आध्यात्म का संगम नृत्य-नाटिका ने भारतीय परंपराओं की भव्यता को मंच पर जीवंत कर दिया। भारतीय सिनेमा के महान शोमैन राज कपूर की जन्मशती को समर्पित एक विशेष नृत्य प्रस्तुति भी हुई, जिसमें उनके योगदान को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद वाघा बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी का शानदार मंचन हुआ, जिसमें विद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने अपने अद्भुत प्रदर्शन से दर्शकों में देशभक्ति का जोश भर दिया। पौराणिक कथाओं पर आधारित लव-कुश रामायण राग और शक्ति स्वरूप नृत्य ने भारतीय संस्कृति और नारीशक्ति की महत्ता को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में श्री रतन टाटा के प्रेरणादायक जीवन पर विशेष प्रस्तुति भी शामिल थी, जिसमें देश के प्रति उनके योगदान को शानदार तरीके से दर्शाया गया। उड़ान 2025 ने यह साबित कर दिया कि ब्रेन चाइल्ड एकेडमी के छात्र न केवल शिक्षा में बल्कि संस्कृति, कला और देशभक्ति में भी निपुण हैं। यह वार्षिक उत्सव विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव बन गया, जो आने वाले वर्षों तक याद किया जाएगा। कार्यक्रम के आयोजन में ब्रेन चाइल्ड एकेडमी के संचालक निशांत शुक्ला, प्राचार्या डॉ. दिव्या शुक्ला एवं समस्त शिक्षकों बहुमूल्य योगदान रहा। मंच संचालन वरिष्ठ शिक्षिका राजुल सिहानी और सोनिया जैन ने कलात्मक शैली से किया।

यातायात पुलिस की मॉडीफाई साइलेंसर के विरूद्ध कार्यवाही लगातार जारी, 12 वाहनों के विरूद्ध कार्यवाही

मण्डला यातायात पुलिस द्वारा चलाया जा रहा विशेष अभियान, अभियान के तहत तेज आवाज वाले 6 कान फाडू सायलेंसर लगे दो पहिया वाहनों एवं नियम विरूद्ध वाहन चलाने वालें 88 चालकों के विरूद्ध की गयी चालानी कार्यवाही तेज आवाज वाले अमानक कान फाडू सायलेंसर लगे दो पहिया वाहनों के विरूद्ध की गयी चालानी कार्यवाही-मंडला यातायात पुलिस द्वारा शहर में तेज आवाज वाले एवं मॉडीफाई साइलेंसर लगवाकर धमा-चौकड़ी मचाने वालें बुलट मोटर सायकिल चालकों के विरूद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में कल मॉडीफाई साइलेंसर लगें 06 मोटर साईकिल के विरूद्ध कार्यवाही की गयी हैं, वहीं विगत एक सप्ताह में कान फाडू, तेज आवाज सायलेंसर वाले 12 वाहनों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जाकर उनके सायलेंसर निकाले गये है एवं उनके विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही कर समन शुल्क वसूल किया गया। मंडला पुलिस द्वारा संपूर्ण जिला अंतर्गत नियम विरूद्ध एवं शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। नियम विरूद्ध वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर की चालानी कार्यवाही-पुलिस द्वारा जिलें में यातायात नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही की जा रहीं हैं। जिसमें एक सप्ताह में संपूर्ण जिला अंतर्गत शराब पीकर वाहन चलाने वाले 5 वाहन चालकों के खिलाफ माननीय न्यायालय में प्रकरण प्रस्तुत किया गया एवं अन्य नियमों का उल्लघंन जिसमें तीन सावारी वाले दो पहिया चाहन चालक, बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट वाहन चालाने वाले, तेज गति से वाहन चलाने वाले 415 वाहन चालकों पर कार्यवाही कर 179800/- रूपये समन शुल्क वसूल किया गया है।

जन्मदिन उत्सव

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को सूचित किया जाता है कि अब हर माह आप बने भाग्यशाली विजेता। जन्मदिन उत्सव माह मार्च का फार्मेट का प्रकाशन 10 फरवरी को किया जा चुका है, पाठक अपना फार्मेट 15 फरवरी तक अपने एजेंट सब एजेंट जिला कार्यालय में जमा कर सकते हैं।

खबर संक्षेप

हूटर लगी गाडियों का खुलेआम हो रहा दुरूपयोग, प्रशासन के नजरअदांज किये जाने के कारण हो रहे नगरवासी परेशान?

गाडरवारा। इस समय नगर में आये दिन देखने मिल रहा है कि लोगों द्वारा जहां अपने वाहनों में मनमाने तौर से प्रशर हार्न लगाकर ध्वनि अधिनियम की धज्जियाँ उड़ाई जा रही है? बही दूसरी ओर अनेक लोगों द्वारा अपने चार पाहिया वाहनों में यातायात नियमों को दर किनार करते हुए हूटर लगाकर मनमानी पर उतारू देखे जा रहे है? मगर इस सब में मजेदार बात तो यह है कि इस प्रकार से मनमान तौर से हूटरों का हो रहे दुरूउपयोग को लेकर स्थानीय शासन प्रशासन पूर्ण रूप से नजर अदांज कर रहा है, जिसके चलते नगर में अनेक वाहनों में खुलेआम हूटर देखने मिल सकते है, जबकि हूटर लगाने के लिए मा. न्यायालय व परिवहन विभाग द्वारा नियम कानून बनाये गये है, जिनकी खुलेआम आब्हेलना की जा रही है? वही वाहनों में हार्न लगाने के लिए भी लोगों द्वारा नियमों की अनदेखी की जा रही है, लोगों के वाहनों में लगे हूटर व हार्नो से राहगीरों के लिए परेशानी का सामना तो करना ही पड़ता है, वही स्कूल वाहनों में लगे प्रेशर हार्न से स्कूली बच्चों पर विपरित प्रभाव देखने मिल रहा है। यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो क्षेत्र के कुछ नेताओं द्वारा भी अपने वाहनों में हूटर लगाकर नियमों की अनदेखी करते हुए आये दिन वाहनों के पीछे पुलिस सायरन वाला हूटर बजाकर रौब झाडा जाता है, और जब यह तेज हूटर रात के समय नगर में बजाया जाता है तो सोने वाले लोगों की नीद खराब हो जाती है, मगर धन्य है नगर का पुलिस प्रशासन जो आये दिन दुकानदारों सहित अन्य गरीब मजदूरों के बीच पहुंचकर उन्हे अपनी बर्दी की ताकत दिखाने के लिए तो हड़कता रहता है? मगर जिस प्रकार से लोगों द्वारा खुलेआम शासन के नियमों की अब्हेलना की जा रही है उनके खिलाफ आज तक कोई कार्यवाही करने की हिम्मत नही करता है।

क्षेत्र की सड़कों पर किसी वाहन का नम्बर तो किसी वाहन के चैचिस पर दौड़ रहे वाहन, प्रशासन बन अनजान

गाडरवारा। भले ही पुलिस द्वारा वाहन चैकिंग के नाम पर जहां तहां कार्यवाही करते हुये देखी जा रही है। मगर जो वाहन क्षेत्र की सड़को पर धडल्ले से नियमों को दर किनार करते हुये दौड़ते हुये देखे जा रहे है उनकी अनदेखी पुलिस की कार्य प्रणाली को निश्चित तौर पर संदेह के घेरों में लाने से नही चुक पा रहा है? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस समय नगर के गाडरवारा बारहाबड़ा सहित अन्य मार्गो पर जिस प्रकार से मैजिक गाड़ियो को निमयों की अनदेखी करते हुये दौड़ते हुये देखा जा रहा है। वह आम लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूक रही है। क्योंकि इन मैजिक गाडियों को जब सड़को पर ओवर लोडिंग की स्थिति में दौड़ते हुये देखा जाता है तो हाल इस प्रकार से होता है कि जितनी सबारी गाड़ी के अंदर होती है कही उससे अधिक मैजिक गाड़ी पर बैठी हुई दिखाई देने से नही चूकती है। इतना ही नही इन वाहनों द्वारा शायद शासन के नियमों के पालन की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इन मार्गो पर सबारी लेकर दौड़ने वाले अनेक वाहनों की सच्चाई तो इस प्रकार से होती है कि किसी वाहन की नम्बर प्लेट होती है और किसी वाहन का चैचिस पर लगाते हुये नये वाहन का निर्माण करते हुये सभी माप दंडों को दर किनार करते हुये अपने स्वार्थ का खेल खेलने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है, इस प्रकार से यातायात निमयों को दर किनार करते हुये दौड़ने वाले इन वाहनों को लेकर जिस प्रकार से पुलिस द्वारा अनदेखी की जा रही है वह निश्चित तौर से किसी दिन कोई बड़ी घटना का कारण बनने से नही चूक सकता है? यदि के अनेक मार्ग पर दौड़ने वाले इन वाहनों की सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह वाहन निमयों को दर किनार करते हुये धडल्ले से चीचली व गाडरवारा पुलिस की आंखों के सामने से गुजरते हुये देखे जा रहे है। वही दूसरी ओर अनेक वाहनों की स्थिति तो इस प्रकार से बनी हुई है कि न तो उनके पास सड़क पर दौड़ाने के लिये टैक्स भरा गया है और न ही वाहन का बीमा कराया गया है।

माघी पूर्णिमा के मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़ा भक्तों का जन सैलाब, शहर से लेकर क्षेत्र की सड़कों पर रात भर पैदल स्नान करने जाने वालों की उमड़ते हुये देखी भीड़

गाडरवारा

सदा ही क्षेत्रवासियों को अपना आर्शीवाद प्रधान करते हुये खुशहाल बनाने वाली माँ नर्मदाजी के भक्तों द्वारा वैसे तो हर पूर्णिमा को आस्था की डुबकी लगाने के लिये लोग माँ नर्मदा तटों पर पहुंचते है। मगर जिस तरह बीते हुये बुधवार यानि की माघी पूर्णिमा के मौके पर माँ नर्मदा भक्तों के बीच आस्था को जुनून देखने मिला है। वह निश्चित तौर से अनोखा था। क्योंकि हल्की ठंड के चलते जहां लोगों का अपने घरों से निकलने में आनंद की अनुभूति महसूस होते हुये देखी जा रही थी। जिसके चलते हजारों की संख्या में माँ रेवा मैया के भक्त इस तरह देखे जा रहे थे कि उनके दिलों में पैदा हुई माँ नर्मदाजी की भक्ति की भावना को उल्लास भरने के चलते माँ नर्मदा के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की नगर की सड़को पर रात भर लाईन लगी हुई देखी गई। रात के समय इस तरह पैदल नर्मदाजी के स्नान करने जाने वाले लोगों में सिर्फ पुरूष ही नही बल्कि इस तरह छोटे छोटे छोटे बच्चे भी शामिल थें जो गाडरवारा शहर के साथ यहां से लगभग 20-25 किलो मीटर दूर से पैदल चलकर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये ककरा घाट जा रहे थें। इस तरह शहर के बीचों बीच से निकल रहे माँ के भक्तों को पलोनटन गंज शक्तिधाम माता मंदिर के पास व पानी टंकी के पास नगर के लोगों द्वारा तो पलोहा नाका के समीप शास्त्री वार्ड में सुनील राजपुत द्वारा चाय नास्ता के साथ सभी पैदल जा रहे भक्तों का स्वागत किया गया। इस संबंध में ग्राम मोहपानी निवासी माँ नर्मदा भक्त महिला ने चर्चा करते हुये बताया कि वह हर पूर्णिमा को पैदल चलकर नर्मदाजी के स्नान करने के लिये जाती है। इस तरह हम अपने घर से दोपहर दो बजे के लगभग पैदल निकलते है और शाम 7-8 बजे गाडरवारा पहुंच जाते है और रात भर पैदल चलते हुये सुबह 5 बजे माँ नर्मदाजी के ककरा घाट पहुंचकर स्नान करते हुये पूजन अर्चन करते है। हमे कभी भी न तो कोई थकान होती है और न ही कोई परेशानी। इसी प्रकार से ग्राम गोटीटोरियाँ निवासी एक 14 वार्षिय बालिका का कहना था कि हम अपने माता पिता सहित गांव के अन्य लोगों के साथ में माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाते है और इस तरह पूर्णिमा के मौके पर अनेको बार जा चुके है। मगर कभी कोई परेशानी नही हुई है। इसी प्रकार से जब वह मंगलवार की शाम हल्की ठंड के बीच नर्मदाजी के स्नानों के लिये पैदल जा रही थी तो नगर की पानी टंकी के पास समाजसेवियों द्वारा हर पूर्णिमा पर नर्मदा भक्तों के लिये चाय पिलाने के लिये की जाने वाली व्यवस्था के दौरान चाय पीने के लिये बैठे हुये नर्मदा भक्तों से चर्चा की गई तो उनका कहना था कि भले ही आज हल्की ठंड जरूर है मगर हम माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने का क्रम नही छोड़ सकते है। जब हम पैदल चलते है तो न ठंड लगती है और न ही कोई परेशानी होती है। क्योंकि इस धरती पर हर व्यक्ति की रक्षा करने वाले माँ नर्मदा ही है जब जिस माँ की पूजन अर्चन करने के लिये हम ला रहे है तो फिर वह माँ अपने बेटों को यदि कोई परेशानी होगी तो खुद ही उसे चंद मिनिटों में हरण करने से नही चूकेगी। इस तरह से ग्राम बारहाबड़ा से पैदल नर्मदा स्नान करने के लिये जा रही एक वृद्ध लगभग 65 वार्षिय महिला से चर्चा की गई तो उसका कहना था कि यह पहला अवसर नही है कि जब हम माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जा रहे है। हमारे द्वारा हर साल इस तरह पूर्णिमा के मौके पर तीन चार बार पैदल जाते है। जब उनसे पूछा गया कि अम्माजी इस तरह आज हल्की ठंड के बीच आपको परेशानी का सामना नही करना पड़ेगा.. तो उनका कहना था कि अब परेशानी तो घर बैठे भी आ सकती है। उसी परेशानी को माँ नर्मदाजी हरण करती है तो फिर जब उनके चरणों का आर्शीवाद लेने के लिये जा रहे है परेशानी कहा से आ सकती है। इस तरह बीते हुये मंगलवार की रात नगर की सड़को पर जहां इस तरह हल्की ठंड के बीच हजारों की संख्या में माँ नर्मदा स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों के जत्थें रात भर निकलते हुये देखे गये तो दूसरी ओर सुबह होते ही क्षेत्र के गांवों में ट्रेक्टर ट्रालियों में सबार होकर भी हजारों लोग माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पहुंचे। माघ पूर्णिमा के मौके पर नर्मदा तटों पर उमड़े हुये हुजूम के चलते मेला जैसा दृश्य दिखाई पड़ने से नही चूक रहा था। इस तरह का हाल क्षेत्र के सिर्फ ककरा घाट का ही नही बल्कि शोकलपुर, झिकोली, थरेरी, कोठिया, घघरौला खुर्द, लिंगा खुर्द, भटेरा घाट सहित अन्य घाटों का भी देखने मिला जहां पर हजारों की संख्या में माँ नर्मदा भक्तों ने नर्मदा तटों पर पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाते हुये पूजन अर्चन करते हुये अनेक जगहों पर भगवान सत्य नारायण जी की कथा संपन्न कराई गई तो अनेक लोगों द्वारा भंडारे के आयोजन भी किये गये। इस तरह हर पूर्णिमा के मौके पर क्षेत्र के ककरा घाट सहित अन्य घाटों पर माँ नर्मदाजी के स्नान करने के लिये पैदल जाने वाले भक्तों की भीड़ की लाईने लगी रहती है। मगर इन भक्तों को उस दौरान परेशानियों का सामना करने के लिये मजबूर होना पड़ता है कि भीड़ के बीच से रात रात भर भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी मजी रहती है। पूर्णिमा की पूर्व संध्या पर क्षेत्र के नर्मदा तटों को पहुंचने वाले मार्गो पर एक रात के लिये इस तरह भारी वाहनो की धमाचौकड़ी पर प्रतिबंध के लिये लगातार भक्तों द्वारा मांग उठाई जाने के बाद भी जिले के जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों द्वारा नजर अंदाज किये जाने से नम्रदा भक्तों की जिन्दगी को खतरा पैदा होने से नही चूक पा रहा है? क्योंकि गाडरवारा के आलवा क्षेत्र के ग्राम सूखाखैरी, गोटीटोरिया, संहपुर, बारहाबड़ा, महगंवा सहित अन्य गांवों से पैदल जाने वाले नर्मदा भक्तों को देखा जा है कि वह अपनी थकान मिटाने के लिये मुख्य रास्ते पर ही बैठ जाते है और बैठे बैठे बच्चों को नींद आने की स्थिति में वह चंद मिनिटों के लिये रास्तों पर ही सो जाते है। इस स्थिति में पूर्णिमा की रात इन भारी भरकम डम्फरों की धमाचौकड़ी किसी दिन इन माँ नर्मदाजी के भक्तों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा करने से नही चूक पायेगी...?

अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री रखने वाले आरोपी को अपर लोक अभियोजक त्रिपाठी की तर्कों से सहमत होते हुये न्यायालय से सुनाई कारावास की सजा, तत्कालीन टीआई तिवारी ने की थी कार्यवाही

गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि जब किसी अवैधानिक कृत्य में लिप्त रहने वाले आरोपी को गिरप्तार करने के बाद पुलिस द्वारा न्यायालय के समक्ष पेश करने के बाद अपना अंतिम प्रतिवेदन सौपती है। मगर पुलिस द्वारा की जाने वाले कार्यवाही में कुछ खामियाँ छोड़े जाने के चलते आरोपी सजा पाने बंचित होने से नही चूक पाते है..? मगर कुछ निष्ठावान अधिकारी इस तरह से होते है कि जो अपने दायित्वों का निर्वाहन पूर्ण निष्ठा के साथ करते हुये आरोपियों को न्यायालय में सजा दिलाने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये दिनों स्थानीय न्यायालय में उस समय देखने मिली जब आज से लगभग 11 माह पूर्व यानि की 22 मार्च 2024 को अनुविभागीय अधिकारी रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन में गाडरवारा पुलिस थाने में पदस्थ तत्कालीन टीआई उमेश तिवारी द्वारा अवैध रूप से विस्फोटक रखे हुये पकड़े गये आरोपी को गिरप्तार करने के साथ उसके खिलाफ की गई सख्त कार्यवाही का अंतिम प्रतिवेदन मा न्यायालय के समक्ष पेश किये जाने के बाद विद्ववान तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश आरती ढींगारा द्वारा अपर लोक अभियोजक महेन्द्र कुमार त्रिपाठी की तर्को से सहमत होते हुये विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के मामले में पांच साल के सश्रम कारावास सहित आर्थिक दंड की सजा से दंडित करने का निर्णय दिया गया। घटना के संबंध में अपर लोक अभियोजक महेन्द्र त्रिपाठी द्वारा जानकारी देते हुये बताया है कि मामले में स्थानीय न्यायालय के अपर सत्र न्यायाधीश मा आरती ढींगरा द्वारा अपना महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुये आरोपी गुलाब कहार को कारावास सहित आर्थिक दंड से दंडित किया गया है। ज्ञात हो कि लगभग 11 माह पहले 22 मार्च 2024 को गाडरवारा पुलिस थाने के तत्कालीन टीआई उमेश तिवारी को मुखबिर द्वारा सूचना मिली की ग्राम गरधा रोड स्थित प्रसन्न बेहर हाऊस के पास आम रोड के नीचे एक व्यक्ति अवैध रूप से अपने पास कुछ विस्फोटक सामग्री रखे हुये जो विक्रय करने की जुगाड में घुम रहा है। इस सूचना से तत्कालीन टीआई उमेश तिवारी द्वारा अपने परिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया था। वही जिला पुलिस अधीक्षक तत्कालीन जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार द्वारा आरोपी को माल सहित पकड़ने के लिये आदेश जारी किये गये थें। इस आदेश के परिपालन में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन व टीआई उमेश तिवारी के नेतृत्व में बनाई गई इस टीम में मुख्य से निरीक्षक नीलेश बड़कुर, प्रधान आरक्षक राम गोपाल सिंह राजपूत, वरिष्ठ आरक्षक राजेश बागरी सहित वरिष्ठ आरक्षक राकेश झा, रूपेन्द्र चौबे, सतेन्द्र बागरी, आरक्षक बालकिशन रघुवंशी, अखिलेश पटेल, सुजीत बागरी, ऐश्वर्य वेंकट, विश्वजीत, अभिषेक सूर्यवंशी को शामिल किया गया था। इस टीम द्वारा मौके पर पहुंचकर घेराबंदी करते हुये जब एक युवक को पकड़ते हुये उससे पूछताछ की गई थी तो उसने अपना नाम गुलाब कहार पिता जीवन कहार उम्र 50 साल निवासी ग्राम गरधा थाना गाडरवारा का होना बताया गया। वही मौजूद लोगों के समक्ष जब आरोपी के पास रखे हुये थैले की तलाशी ली गई तो उसके अंदर से पुलिस को 20 नग सुपर पावर, 90 डेंजर एक्सप्लोसिव के आलवा स्टील के डेटोनेटर फ्यूज, 08 नग केसरिया रंग की डेटोनेटर फ्यूज लगे इलेक्ट्रिक वायर, 30 नग बारूद बत्ती पाये जाने खबर सामने आई थी? जिसके चलते पुलिस द्वारा आरोपी के पास से विस्फोटक सामग्री जप्त करते हुये उसके खिलाफ धारा 3,5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत मामला कायम करते हुये गिरप्तार करने के बाद न्यायालय में पेश करते हुये तत्कालीन टीआई उमेश तिवारी द्वारा आरोपी के खिलाफ की गई कार्यवाही का अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किये जाने के बाद इस प्रकरण में मा तृतीय अपर सत्र न्यायाधीश आरती ढ़ीगारा द्वारा मामले की सुनवाई के दौरान आये हुये साक्ष्य व अपर लोक अभियोजक महेन्द्र त्रिपाठी द्वारा पेश की गई तर्को से सहमत होते हुये आरोपी गुलाब सिंह कहार को 5 वर्ष के सश्रम कारावास सहित 5 हजार रूपया की आर्थिक दंड की सजा से दंडित किये जाने का दंडादेश पारित किया गया है।

मजदूर की मौत की सच्चाई को लेकर बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा मीड़िया के सवालों से बचने का किया जा रहा है प्रयास.., क्या एक गरीब की मौत कागजों में ही दबकर रह जावेगी...?

गाडरवारा

बिजली विभाग से जुडे हुये ठेकेदारों द्वारा जिस तरह अकुशल ग्रामीण मजदूरों से बगैर सुरक्षा प्रबंधन उपलब्ध कराये हुये उन्हें बिजली लाईन के खम्बों पर चढ़ाते हुये उनकी जिन्दगी से खिलबाड़ की जा रही है। इस बात की सच्चाई आये दिन करेन्ट लगकर मृत होने वाले उन गरीब मजदूरों के बिलखते हुये मासूम बच्चों की आंखों में दिखाई देने के बाद भी जिस तरह बिजली विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा ठेकेदारों की मनमानी को लेकर चुप्पी साधते हुये देखा जा रहा है इसी का परिणाम है कि जहां इन ठेकेदारों के हौसले बुलंद होने से नही चूक रहे है और वह गरीब मजदूरों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ करने के साथ साथ नियमों को ताक पर रखते हुये जहां तहां बिजली लाईनों को खड़ा करते हुये बिजली विभाग के राजस्व में क्षति पहुंचाने में भी पीछे दिखाई देने से नही चूक रहे है..? इस तरह बिजली विभाग से जुडे हुये इन ठेकेदारों की मनमानी की सच्चाई को देखते हुये यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि मानों बिजली विभाग से जुडे हुये अधिकारियों द्वारा इन ठेकेदारों को बचाव के लिये अपना पूर्ण रूप से संरक्षण हो..? गैर सच्चाई जो भी हो उसे तो यही जाने। मगर जिस प्रकार से बीते हुये कुछ माह पहले सालीचौका क्षेत्र में एक ठेकेदार द्वारा अकुशल मजदूरों को बगैर किसी सुरक्षा प्रबंधों के 11 के व्ही लाईन के खम्बे पर चढ़ाने के दौरान वह करेन्ट लगने से घायल हो गया था। इसके बाद बीते हुये 10 फरवरी को इसी प्रकार की सच्चाई फिर एक बार नगर में सामने आते हुये देखी गई जहां पर एक गरीब मजदूर की बगैर सुरक्षा प्रबंधों के 11 के व्ही लाईन के खम्बे पर चढ़कर काम करने के दौरान करेन्ट लगने से उसकी मौत हो गई..? जबकि नियम के अनुसार बताया जाता है कि 11 के व्ही लाईनों पर बिजली विभाग के अधीन कार्य करने वाले ठेकेदारों को अनुमति उस आधार पर प्रदान की जाती है कि वह खम्बों पर सिर्फ उन्ही कर्मचारियों को चढ़ावेगे जो खम्बों पर चढ़कर काम करने के लिये प्रशिक्षत किया गया हो..? मगर यहां पर तो देखा जा रहा है कि बिजली विभाग के अंतर्गत कार्य करने वाली ठेकेदारों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब मजदूरों को काम पर बुलाते हुये जिस तरह मौत के मुंह में ढाकेला जा रहा है उसके चलते इन मजदूरों के बच्चें अनाथ होने से नही चूक पा रहे है। वही दूसरी ओर इस तरह की घटना घटित होने के बाद बिजली विभाग के अधिकारी अपने हाथ खड़े यह बात करते हुये देखे जाते है कि यह हमारा काम नही है यह तो ठेकेदार का है..? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि बिजली लाईनों को स्थापित करने का कार्य कोई ठेकेदार अधिकारियों की अनुमति के बगैर कर सकता है..? वही दूसरी ओर ठेकेदारों द्वारा कार्य कराने के लिये निर्धारित किये गये नियमों को नजर अंदाज करते हुये कार्य स्थल पर कर्मचारियों को सुरक्षा के लिये किसी तरह के साधन उपलब्ध नही कराये जाने के बाद भी अधिकारियों की चुप्पी सबालों को जन्म देने से नही चूक रहे है..? इस तरह नगर में बीते हुये 10 फरवरी को जिस तरह बिजली विभाग के अधीन माने जाने वाले ठेकेदार के यहां काम करने के दौरान 11 के व्ही लाईन के खम्बे पर चढ़े हुये एक गरीब को करेन्ट लग जाने के बाद उसकी मौके पर ही हुई मौत ने ठेकेदार सहित बिजली विभाग के अधिकारियों की भूमिका को कटघरे में खड़ा कर दिया गया है..? इस तरह नगर से लेकर क्षेत्र में बिजली लाईनों की स्थापना के लिये ठेकेदारों द्वारा जिस तरह गरीब मजदूरों की जिन्दगी के खुलेआम खिलबाड़ करने के साथ साथ जहां तहां नियम विरूद्व बिद्युत लाईनों की स्थापना करते हुये देखा जा रहा है, जिससे बिजली विभाग के जिस तरह से राजस्व की हानि होते हुये देखी जा रही है वह चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहे है तो दूसरी ओर अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े होते हुये देखे जा रहे है..। वही दूसरी ओर लोगों द्वारा यह सबाल किया जा रहा है कि आखिरकार इन गरीब मजदूरों की मौत का जिम्मेदार कौन होगा..? इन सभी सबालों को जबाब खोजने के लिये बीते हुये बुधवार को जब बिजली विभाग के जिला स्तर के अधिकारी का गाडरवारा आगमन हुआ तो पत्रकारों द्वारा कार्यपालन अभियंता के कार्यालय पहुंचकर उन सबालों के जबाव प्राप्त करने का प्रयास किया गया जो ठेकेदारों द्वारा की जा रही मनमानियों के चलते बिजली विभाग के अधिकारियों पर खड़े होने से नही चूक रहे है। मगर पत्रकार बिजली विभाग के जिला स्तर के अधिकारी के उस जबाब को सुनकर हैरत में पड़ने से नही चूक जब उन्होंने खुले शब्दों में यह करते हुये पत्रकारों से मिलने से इंकार कर दिया गया कि आज अवकाश का दिन है हम पत्रकारों से नही मिल सकते है..? इस तरह एक जिम्मेदार अधिकारी के इस रवैया को देखते हुये यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि इस तरह एक मजदूर की मौत की सच्चाई के बीचे निश्चित ही कोई बड़ा कारण छिपा हुआ है जिसके चलते अधिकारी पत्रकारों के सबालों से बचने का प्रयास करने से नही चूक रहे है..? इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि बीते हुये बुधवार को जब जिला स्तर के बिजली अधिकारी का गाडरवारा आगमन हुआ था तो वह दिवस शाससकीय अवकाश का था। मगर जिस तरह अधिकारी द्वारा अवकाश दिवस पर शासकीय वाहन का उपयोग करते हुये शासकीय कार्यालय में बैठे हुये नजर आ रहे थें तो फिर क्या शासकीय अवकाश सिर्फ पत्रकारों के सबालों के जबाव पर ही लागू होता है..? क्योंकि पत्रकार इस सोच के तहत उससे मिलने के लिये पहुंचे हुये थें नगर में अनेक जगहों द्वारा ठेकेदारों द्वारा नियम विरूद्व स्थापित की गई लाईनों की अनुमति से लेकर ठेकेदारों द्वारा जिस तरह गरीब अकुशल व सुरक्षा के प्रबंध उपलब्ध कराये बगैर ही मजदूरों को बिजली खम्बों पर चढ़ाते हुये मौत के मुंह में ढकेला जा रहा है उसकी सच्चाई से अवगत कराया जा सके। मगर जिम्मेदार अधिकारी द्वारा जिस तरह मीडिया से मिलने को लेकर इंकार किये जाने से यह सबाल पैदा होते हुये जान पड़ रहा है कि शायद एक मजदूर की मौत के पीछे कोई बड़ा कारण छिपा हुआ है जिसके चलते पत्रकारों के सबालों से बिजली अधिकारी बचते हुये नजर आने से नही चूक रहे है..?

हरिभूमि
बगैर सुरक्षा प्रबंधो के ठेकेदार द्वारा मजदूरों को चढ़ा दिया गया 11 केव्ही विद्युत लाईन पर, काम करते वक्त करेन्ट से हुई मौत

हरिभूमि का जन्म दिवस उपहार पाकर खुश हुई जायसवाल, हरिभूमि द्वारा नये पाठकों को भी भाग्यशाली बिजेता बनने का दिया जा रहा है अवसर

गाडरवारा। मध्य प्रदेश सहित देश के अन्य प्रांतो से एक साथ प्रकाशित होने वाले राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक अखबार हरिभूमि अपने पाठको के बीच एक अलग ही पहचान बना चुका है। वही दूसरी ओर हरिभूमि द्वारा आये दिन अपने पाठको के लिये अनेक प्रकार के उपहार प्रदान किये जाते है। इसी प्रकार से हरिभूमि द्वारा वर्तमान में अपने पाठकों के लिये हर माह जन्म दिवस के मौके पर जहां उनके घर पहुंचकर दिन दिवस की शुभकामनाओं के साथ उपहार प्रदान किये जा रहे है तो दूसरी ओर जन्म दिवस उत्सव के दौरा प्रकाशित किये जाने वाले फॉमेटों का आने वाले नम्बर माह में महाबम्पर ड्रॉ का आयोजन किया जावेगा जिसने सोने का हार, स्कूटी, रेफ्रीजरेटर, एलईडी टी व्ही सहित अन्य प्रकार के उपहार जीतने के लिये भाग्यशाली बिजेता बनने का अवसर तो प्रदान किया जावेगा। मगर हर माह पाठकों को अपने जन्म दिवस के मौके पर उपहार भी प्रदान किये जा रहे है। कुछ इसी प्रकार से नगर के राजेन्द्र बाबू वार्ड निवासी घन श्याम पिता बंशी लाल जायसवाल जो हरिभूमि के पाठक है उनके द्वारा 7 फरवरी को जन्म दिवस होने के चलते हमारे गाडरवारा प्रतिनिधि उमेश कौरव द्वारा जन्म दिवस की बधाईयों के साथ हरिभूमि उपहार प्रदान किया गया। इस संबंध में वर्षो से हरिभूमि के पाठक घनश्याम जायसवाल का कहना है कि हरिभूमि द्वारा अपनी खबरों को लेकर अपने पाठकों में एक अलग ही विश्वास प्राप्त किया गया है। क्योंकि देश दुनिया की खबर से लोग अलग अलग माध्यमों से प्राप्त कर लेते है। मगर स्थानीय स्तर की खबरों को जिस तरह हरिभूमि द्वारा पूर्ण तत्थों के साथ प्रकाशित करते हुये आम लोगों की परेशानियों तथा जन हित की समस्याओं को प्रमुखता के साथ उठाई जाती है उसके चलते हरिभूमि द्वारा अपनी एक अलग ही पहचान बनाई गई। वही दूसरी ओर अपने पाठकों का ध्यान रखने में भी अब कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। हरिभूमि द्वारा जिस तरह अपने पाठकों के जन्म दिवस को उत्सव के रूप में मनाते हुये उन्हें सम्मानित किया जा रहा है वह निश्चित तौर से अनोखी पहल है। इस तरह हरिभूमि द्वारा शुरू किये गये जन्मदिन उत्सव में हरिभूमि के पुराने पाठकों के साथ साथ नये जुड़ने वाले पाठकों को भी शामिल किया जा रहा है। जो हर माह प्रकाशित होने वाले फार्मेट के माध्यम से हर माह भाग्यशाली विजेता बनने का सौभाग्य प्राप्त कर सकते है।

गांव गांव बिक रही अवैध शराब

गाडरवारा

जहां एक ओर जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा मादक पदार्थो के अवैध कारोबार को लेकर लगातार मुहिम चलाते हुये कार्यवाही की बात कही जा रही है। मगर जिस प्रकार से चीचली थाना क्षेत्र में गांव गांव खुलेआम किराना दुकानों की भांति विक्रय होते हुये देखी जा रही शराब सहित अन्य मादक पदार्थो के अवैध कारोबार की चपेट में आने के चलते युवा पीढ़ी बर्बादी की कगार पर पहुंचने से नही चूक पा रही है तो दूसरी ओर गांव गांव लोगों के बीच संग्राम की स्थिति बनते हुये दिखाई देने से नही चूक पा रही है..? क्योंकि बीते हुये कुछ दिनों से देखा जा रहा है जिम्मेदारों की अनदेखी की जावे या फिर मिली भगत के परिणाम के चलते चीचली थाना क्षेत्र के अंतर्गत शायद ही कोई ऐसा गांव शेष मिलेगा जहां पर शराब का अवैध कारोबार चलते हुये देखने न मिल रहा हो..? वही दूसरी अन्य मादक पदार्थो का हाल की कुछ इसी तरह से की गांजे के पुड़िया की गिरप्त में आने से युवाओं की जिन्दगी तो बर्बाद हो रही रही है दूसरी ओर यहां पर स्मैक पावडर के कारोबार ने भी अपने पैद अंगद की तरह मजबूत करना शुरू कर दिया है..? चीचली क्षेत्र में स्मैक पावड़र के अवैध कारोबार की सच्चाई गाडरवारा पुलिस थाने का रोजनामचा उजागर करते हुये देखा जा रहा है कि बीते हुये कुछ महिनों पहले जिस तरह गाडरवारा पुलिस द्वारा मादक पदार्थो के खिलाफ चलाई गई मुहिम में कुछ आरोपी इस तरह से पकड़ने में सफलताये हासिल की गई थी जिनकी सच्चाई चीचली थाना क्षेत्र में निवास करने वालों के रूप में उजागर होने से नही चूक पाई थी। मगर हैरत की बात यह है कि इस तरह मादक पदार्थो वे सौदागरों को आज तक चीचली पुलिस पकड़ने में सफल न हो पाना निश्चित ही यहां के पेहरेंदारों की भूमिका को सबालों के घेरे में लाने से नही चूक पा रही है..? इस तरह चीचली थाना क्षेत्र में चल रहे मादक पदार्थो के अवैध कारोबार की चपेट में युवा पीढ़ी के आने का ही परिणाम है कि जहां क्षेत्र में चोरी जैसी घटनाओं में इजाफा होते हुये देखने मिल रहा है तो दूसरी ओर गांव गांव संग्राम की स्थिति बनने के चलते लड़ाई झगड़े आम बात बन चुकी है..? वही दूसरी ओर पुलिस की उदासीनता कही जावे या फिर मिली भगत के चलते जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा मादक पदार्थो से जिले को मुक्त बनाने के लिये चलाई जा रही मुहिम पर भी ग्रहण लगने से नही चूक पा रहा है..?

भव्य कलश यात्रा के साथ शुरू हुआ सोनादहार आश्रम में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

सांईखेड़ा। माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर जहां नर्मदा तटों पर पूजन अर्चन होने के साथ साथ संपूर्ण क्षेत्र में धर्म की गंगा बहते हुये देखी गई। वही दूसरी ओर समय जहां प्रयाग राज में चल रहे महाकुंभ के चलते धार्मिक महौल देखने मिल रहा है। कुछ इसी प्रकार से समीपस्थ माँ नर्मदाजी के पावन तट सोनादहार आश्रम पीपरपानी में श्रीमद भागत कथा की शुरूआत भव्य कलश यात्रा के साथ हुई। बताया जाता है कि यह कलश यात्रा आयोजन स्थल से शुरू होकर गांव के प्रमुख मार्गो से निकलते हुये वापिस आयोजन स्थल पर पहुंचकर समापन हुआ। ज्ञात हो कि 12 फरवरी से 18 फरवरी तक श्रीमद भागवत कथा एवं दुर्लभ सत्संग का आयोजन किया जा रहा है जिसका शुभारंभ बीते हुये बुधवार को हो चुका है। इस आयोजन में कथा वाचक के यप में स्वामी सदा शिव नित्यानंद गिरी महाराज कैलाश आश्रम ऋषिकेश हिमालय द्वारा अपने मुखार बिंद से भगवान की कथाओं का वर्णन सुनाया जावेगा।

सांईखेड़ा क्षेत्र में पैर जमाने लगा मादक पदार्थों का अवैध कारोबार, युवा पीढ़ी हो रही बर्बाद

हरिभूमि न्यूज/सांईखेड़ा। सदा ही शांति प्रिय माने जाने वाली दादा धूनी वालों की नगर इस समय लगातार अपराधों की गिरप्त में समाते हुए दिखाई दे रही है। क्योंकि इस समय जहां क्षेत्र में लगातार हो रही चोरी की घटनाओं के आरोपियों को पकड़ने मे पुलिस असफल जहां पुलिस की कार्य प्रणाली को उजागर करने से नही चूक रही है? वही दूसरी ओर अन्य अपराधों की ओर नजर दौड़ाई जावे तो नगर में जिस प्रकार से रात के समय खुलेआम हो रही शराब खोरी के चलते सभ्य लोगों का रात के समय सड़को पर निकलना मुश्किल होते हुए दिखाई दे रहा है, इतना ही नही शराब की अवैध विक्री का परिणाम है कि पुलिस की उदासीनता कही जावे या फिर मिली भगत का परिणाम जिसके चलते अनेक गांवों में जहां खुलेआम अवैध शराब का कारोबार चलते हुए देखा जा रहा है, वही दूसरी ओर अब स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि अन्य मादक पदार्थों का कारोबार भी अपने पैर जमाने में कोई कसर नही छोड़ रहा है, जिसके चलते इसकी चपेट में युवा पीढ़ी के आने के कारण वह बर्बाद होते हुए दिखाई पड़ रही है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो इस समय नगर में जहां खुलेआम अनेक जगहों पर अवैध गांजे का कारोबार चलने के कारण लोगों को खुलेआम जहां तहां गांजे का सेवन करते हुए देखा जा सकता है। वही नगर की गलियों में भी गांजे के अवैध कारोबार को संचालन करने वालों द्वारा इसकी पुडिया बेचते हुए देखने में आ रहा है? सच्चाई तो इस प्रकार से देखी जा रही है

खबर संक्षेप

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर का औचक निरीक्षण किया

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर का औचक निरीक्षण किया, उन्होंने केंद्र में उपलब्ध डॉक्टरों की स्थिति, उपलब्ध दवाइयां, पैथोलॉजी की स्थिति, ओपीडी,प्रसूती कक्ष,आईपीडी, सहित अन्य मुद्दों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र में पर्याप्त स्टाफ मौजूद नहीं नहीं मिलने पर कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने तत्सम्बन्ध में सीएमएचओ को निर्देशित करते हुए,कहा कि मानक आधार पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में दी जाने वाली व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कराने के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत कर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध करायें। सभी स्वास्थ्य केंद्र में फोटोयुक्त स्टाफ लिस्ट पटल पर लगवाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने ग्राम सरपंच से सम्बंधित स्वास्थ्य केंद्र की जानकारी ली और शासकीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निर्देशित किया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर नेहा मारव्या ने शाहपुर पुलिस थाना का किया औचक निरीक्षण

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने शाहपुर पुलिस थाना का औचक निरीक्षण किया, उन्होंने रोजनामचा, डेली आने वाले मामले, एफआईआर, अपराध पंजी, मर्ग पंजी, ड्यूटी आर्डर, सीसीटीवी सहित अन्य मुद्दों की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने आज के रोजनामचा की ऑनलाइन एंट्री की जानकारी ली,जिसमें एंट्री विधिवत पायी गयी, उन्होंने तत्सम्बन्ध में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जलजीवन मिशन की कार्यप्रगति का निरीक्षण किया

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने बरगांव में जलजीवन मिशन की कार्यप्रगति का निरीक्षण किया। उन्होंने जल जीवन मिशन के तहत निर्माणाधीन प्रोजेक्ट की प्रगति का जायजा लिया, जिसमें उन्होंने इनटेक वेल, पम्प हाउस, पाइप लाइन, ट्रीटमेंट प्लांट, फिल्टर हाउस सहित अन्य तकनीकी जानकारी ली। जिसमें बताया गया कि प्रोजेक्ट का कार्य प्रगतिशील है, सिलगी नदी से प्राप्त जल से से आसपास के गांवों में पेयजल सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने निर्माणधीन प्रोजेक्ट की गुणवत्ता को प्राथमिकता देते हुए थर्ड पार्टी परीक्षण कराने के निर्देश देते हुए,प्रोजेक्ट को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा, कार्यपालन यंत्री पीएचई श्री अफजल अमानउल्लाह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

शहपुरा के ग्राम पडरिया का किया निरीक्षण

डिंडौरी । कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने शहपुरा के ग्राम पडरिया का निरीक्षण किया,उन्होंने ग्राम पड़रिया में एसटीएफ जबलपुर,वन विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा की गयी कार्यवाही के सम्बन्ध में जानकारी ली, जिसमें एसडीओपी शहपुरा श्री मुकेश अबिद्रा ने पूरे घटनाक्रम की विस्तृत जानकारी दी। कलेक्टर नेहा मारव्या ने पूरे मामले के विभिन्न पहलुओं की जाँच करने के लिए तीन सदस्यी जाँच दल एसडीएम शहपुरा, एसडीओपी शहपुरा और सीईओ जनपद पंचायत के गठन करने के लिए निर्देश दिए,उक्त जाँच दल मामले के विभिन्न पहलुओं की जाँच 25 फरवरी तक पूरी कर प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करेगा।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने मोहन सरकार पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप

28 में एमपी और 29 में केंद्र में सरकार बनाने का दावा

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का आरोप, जांच हुई तो सरकार के मंत्री जाएंगे जेल
कार्यकर्ताओं की बैठक लेने के बाद की प्रेस कांफ्रेंस

डिंडौरी ।

मंगलवार की देर शाम कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी डिंडोरी पहुंचे,स्थानीय लॉज में कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर ,कांग्रेस पार्टी को मजबूत करने का आव्हान किया।प्रेस कांफ्रेंस कर भाजपा सरकार पर कर्ज ,क्राइम,भ्रष्टाचार और कमीशन लेने का आरोप लगाया है।

ग्राम पंचायत में कांग्रेस कमेटी, नगर में मोहल्ला कमेटी का करेंगे गठन

जीतू पटवारी ने बताया कि चुनाव जीतने के लिए हम ग्राम पंचायत में कांग्रेस कमेटी का और नगरीय क्षेत्र में मोहल्ला कमेटी का गठन करेंगे। आप कांग्रेस की विचारधारा से लोगों को जोड़ने का प्रयास करिए, हर कमेटी में 25 सदस्य होंगे,भाजपा तो नफरत फैलाने वाली पार्टी है।भाई से भाई को लड़ाने का काम करती है। हमारा संकल्प है कि हम सच्चे विपक्ष की भूमिका निभाएंगे ।हर मोर्चे में सरकार को घेरेंगे। संगठन की मजबूती,संविधान की रक्षा ,लोकतंत्र की रक्षा और जातिगत जनगणना ही हमारा लक्ष्य है।

28 में मध्यप्रदेश, 29 में सारा देश का लगाया नारा

प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कार्यकर्ताओं को चुनाव की तैयारियों में जुट जाने के लिए कहते हुए कहा कि जब हम विधानसभा चुनाव हारे तब कार्यकर्ता निराश थे।लेकिन अब परिस्थित बदली है। हमने विदिशा के उपचुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह वाली सीट पर वोट का अंतर कम किया है।प्रदेश में चार साल बाद चुनाव होने है इसलिए अभी ये मान कर चले कि चार महीने बाद चुनाव है।और जी जान से जुट जाए। तब हम 2028 में प्रदेश और 29 में भारत देश में चुनाव जीत पाएंगे।

जांच हुई तो सारे मंत्री जाएंगे जेल, हर तरफ केवल करप्शन

जीतू पटवारी ने आरोप लगाया कि मोहन सरकार कर्ज ,कमीशन ,क्राइम और भ्रष्टाचार की सरकार।सारे मंत्रियों को छूट दे गई है।भोपाल में सौरभ शर्मा को आरोपी बनाया गया ,जो तालाब की छोटी मछली है। बताओ जंगल में गाड़ी में 50 किलो सोना 10 करोड़ नगद मिलते है। इसमें मंत्रियों के तार जुड़े है, लेकिन किसी का नाम सामने नहीं आया।सरकार अपना संकल्प पत्र पूरा नहीं कर पा रही है।धान के दाम तीन हजार,गेहूं के 27 सौ और लाडली बहनों को तीन हजार रुपए देने का वादा किया था।जल जीवन मिशन योजना में 65 प्रतिशत राशि का भ्रष्टाचार किया गया।मात्र 35 प्रतिशत पैसे खर्च किए गए।भाजपा के सांसद,और मंत्री के गांव में भी हर घर में पानी नहीं मिल पा रहा है। कार्यक्रम में डिंडोरी विधायक ओमकार मरकाम,पुष्पराज गढ़ विधायक फंदेलाल मार्को,निवास विधायक चौन सिंह बरकडे,बिछिया विधायक नारायण पट्टा,जबलपुर के पूर्व विधायक विनय सक्सेना,पूर्व विधायक भूपेंद्र मरावी सहित ब्लॉक अध्यक्ष जावेद इकबाल, लोकेश पटेरिया, अमित गुप्ता,संतोष मरकाम, महेंद्र ठाकुर, दीपचंद पुसाम, फूलचंद मरकाम, खेमकरण राजपूत, राम जी साहू, रामनरेश धुरैया, सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा का निरीक्षण

डिंडौरी ।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शहपुरा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार राठौर,एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा , बीएमओ डॉ सत्येंद्र परस्ते सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं,ओपीडी,दवाई उपलब्धता, दवाई वितरण, प्रसव कक्ष, पीएनसी वार्ड की स्थिति, जनरल वार्ड,पोषण पुर्नवास केंद्र सहित अन्य स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली,उन्होंने केंद्र के लिए स्वीकृत एवं उपलब्ध जांच उपकरण के सम्बन्ध में बीएमओ से जानकारी ली। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने रोगी कल्याण समिति की बैठक के मुद्दों की समीक्षा की। उन्होंने रोगी कल्याण समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित करने के लिए निर्देश दिए,उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र के समस्त स्टाफ की फोटोयुक्त जानकारी आमजन की सुविधाएं के लिए लगाने हेतु निर्देशित किया। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने एसडीएम शहपुरा को स्वास्थ्य केंद्र का नियमित निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया, उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र की बाउंड्री, स्टाफ क्वार्टर और सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली, उन्होंने शिकायत निवारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

कलेक्टर ने विक्रमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण अनुपस्थित दो डॉक्टरों को सीएमएचओ ने जारी किया कारण बताओ नोटिस

डिंडौरी ।

कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने विक्रमपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर केंद्र में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं,ओपीडी,दवाई उपलब्धता, दवाई वितरण, प्रसव कक्ष, पीएनसी वार्ड की स्थिति, सहित अन्य स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान केंद्र में ओपीडी एवं पंजीयन काउंटर बिना स्वीकृत अनुमति के बंद पाए गये, साथ ही मेडिकल ऑफिसर डॉ प्रकाश सिंह ठाकुर बिना स्वीकृत अवकाश के केंद्र से अनुपस्थित पाए गए, जिस पर कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने मेडिकल ऑफिसर के अनाधिकृत अनुपस्थिति के तहत कारण बताओ नोटिस जारी करने के लिए सीएमएचओ को निर्देशित किया, उन्होंने तत्सबंध में बीएमओ विक्रमपुर डॉ कमलेश राज को भी कारण बताओ नोटिस देने के लिए निर्देश दिए। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने मौके पर मौजूद ड्यूटी डॉक्टर से केंद्र में दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के सम्बन्ध में जानकारी ली, उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में स्टाफ की फोटोयुक्त जानकारी पटल लगाने के लिए निर्देशित किया।

अनुपस्थित दो डॉक्टरों को कारण बताओ नोटिस

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर रमेश मरावी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमपुर में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रकाश ठाकुर और मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. कमलेश राज को कारण बताओ नोटिस जारी किया। जारी आदेश में उल्लेखित है कि 12 फरवरी 2024 को कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विक्रमपुर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रकाश ठाकुर और मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रीमती कमलेश राज बैगर सूचना के अनुपस्थित पाए गए। उक्त चिकित्सा अधिकारियों से दूरभाष पर संपर्क करने पर संतोषजनक उत्तर नहीं मिलने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

चिकित्सा अधिकारियों द्वारा की जा रही उपरोक्तानुसार लापरवाहियों के चलते कारण बताओ नोटिस जारी कर मध्यप्रदेश सिविल सेवा (आचरण) नियम 1965 के नियम 07 के तहत इनके विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित की गई और नोटिस प्राप्ति के तत्काल उपरांत स्पष्टीकरण तर्कसंगत साक्ष्यों के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। अन्यथा की स्थिति में एकपक्षीय कार्यवाही को जाएगी।

अधिवक्ता ने नल से जल योजना में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया, सरकार से जांच की मांग की

हरिभूमि न्यूज।

मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के अधिवक्ता ने बुधवार को दावा किया कि केंद्र की महत्वाकांक्षी 'नल से जल' योजना, जिसका उद्देश्य सभी घरों में नल का जल कनेक्शन उपलब्ध कराना है, ज़िले में अधिकारियों और ठेकेदारों के बड़े पैमाने पर अनियमितता के कारण घटिया काम होने के कारण "विफल" हो गई है।अधिवक्ता ने पिछले कुछ महीनों में इस मुद्दे पर प्रधान मंत्री और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव सहित विभिन्न सरकारी अधिकारियों को लिखे अपने पत्रों को साझा किया और अधिकारियों और ठेकेदारों के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और राज्य सतर्कता आयोग से जांच की मांग की।

अधिवक्ता ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "नल से जल योजना अधिकारियों और ठेकेदारों द्वारा करोड़ों रुपये के बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के कारण विफल हो गई है। इस तरह के भ्रष्ट आचरण के कारण घटिया काम हुआ। इसीलिए मैंने अपने पत्रों के माध्यम से इसकी जांच की मांग की है।"ये पत्र पिछले वर्ष जुलाई से नियमित अंतराल पर विभिन्न प्राधिकारियों जैसे मुख्यमंत्री, जलापूर्ति मंत्री, एसीबी और सतर्कता आयोग को लिखे गए।अधिवक्ता ने अपने पत्र में टूटे हुए स्टैंडपोस्ट, सतह पर पाइप बिछाने, प्लास्टिक के नल लगाने, घटिया सिविल और पाइपलाइन कार्य के कारण रिसाव और कई गांवों में अधूरे काम को कुछ मुद्दों के रूप में सूचीबद्ध किया है।पत्रकारों से बात करते हुए अधिवक्ता ने कहा, "हमारे ज़िले में अकेले राज्य सरकार ने नल से जल योजना के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक आवंटित किए हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री कड़ी मेहनत कर रहे हैं ताकि लोगों को पाइप से पानी मिले। लेकिन, जब मैंने देखा कि काम ठीक से नहीं किया गया, तो मैंने संबंधित मंत्री, एसीबी और सतर्कता आयोग को जांच करने के लिए लिखा।"जांच की मांग करने से पहले अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने स्थिति का जायजा लेने और वास्तविक कार्य की तस्वीरें लेने के लिए अपनी टीम को विभिन्न गांवों में भेजा था। उन्होंने दावा किया कि जब भी वह संबंधित अधिकारी को बुलाते हैं और उसे काम ठीक से करने के निर्देश देते हैं, तो उसका तबादला कर दिया जाता है और नया अधिकारी नियुक्त कर दिया जाता है। केवल अधिकारियों के तबादले से यह योजना पूरी नहीं होगी। चूंकि काम नियमों के अनुसार नहीं हो रहा था, इसलिए मैंने जागरूकनागरिक और क्षेत्र की समस्या के मद्देनज़र पत्र लिखे, क्योंकि लोगों को पानी मुहैया कराने के लिए इस योजना पर बड़ी रकम खर्च की जा रही है।

कलेक्टर नेहा मारव्या ने बरगांव में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया

डिंडौरी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने बरगांव में कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।जनजाति कल्याण केंद्र बरगांव के तत्वाधान में कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से कृषि उत्पादन में वृद्धि करने के उद्देश्य से कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों के द्वारा क्षेत्र के किसानों को कृषि में उत्पादन बढ़ाने एवं जैविक कृषि को प्रोत्साहित करने के सम्बन्ध में किसानों को आवश्यक जानकारी दी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने इस दौरान किसानों से जैविक कृषि, फसल चक्र, खाद आदि विषयों पर चर्चा की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिक श्री कृष्ण बिल्लैया, श्री गोविन्द प्रसाद मिश्रा, श्री पीएल अम्बुलकर,श्री अभिषेक शुक्ला, श्री राकेश कुमार, श्री धरम सिंह मरावी ने किसानों को कृषि के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी।
जनजाति कल्याण केंद्र में बच्चों से किया संवाद - कलेक्टर श्रीमती नेहा मारव्या ने जनजाति कल्याण केंद्र बरगांव में छात्रावास के विद्यार्थियों से संवाद कर शिक्षा व्यवस्था और पाठ्यक्रम के विषय पर चर्चा की, उन्होंने सभी विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ साथ कौशल विकास को महत्व देने की बात कही। कलेक्टर श्रीमती मारव्या ने इस दौरान निर्माणाधीन भवन का भी निरीक्षण किया। इस दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री अनिल कुमार राठौर, एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा, श्री विक्रम सिंह सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अमृत सरोवर में लहलहाती फसल बयां करती भ्रष्टाचार की कहानी

डिंडोरी ।

आदिवासी बाहुल्य जिले में विकास के लिए आने वाली शासकीय धनराशि को जिले के जिम्मेदार नुमाइंदे अपने नफे के मुताबिक भ्रष्टाचार की बलिवेदी पर आहूत करते हैं जिले में ऐसे अनेकों मामले हैं जो मीडिया की सुर्खियां बटोरते हैं लेकिन बावजूद इसके न जनप्रतिनिधि विकास के लिए आने वाली शासकीय धनराशि पर होने वाले भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने तत्पर दिखते हैं न जिम्मेदार सरकारी नुमाइंदे ऐसे में जिले भ्रष्टाचार की भागीरथी गंगा बहाने वालों पर कार्यवाही किसी दिव्यस्वप्न से कमतर नहीं गौरतलब है कि जिले में जल संरक्षण के नाम पर लाखों रुपए की लागत से अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य किया गया था जिनके निर्माण कार्य के साथ निर्माण कार्य में गुणवत्ता को दरकिनार कर निर्माण करने के आरोप लगते रहे पर जिम्मेदार नुमाइंदे अपने हिसाब से अपनी दलीलें देते रहे पर निर्माण कार्य में स्थल चयन से लेकर निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही का ही यह परिणाम है कि जल संरक्षण के नाम पर पानी की तरह पैसे बहाकर बनाए गए ज्यादातर अमृत सरोवरों में बूंद भर भी पानी नहीं कही उक्त सरोवर कहीं बच्चों के लिए क्रिकेट का मैदान तो कहीं इन सरोवरों में फसल लहलहा रही है ऐसे अमृत सरोवर का निर्माण कार्य किया गया है

जनपद पंचायत अमरपुर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रामपुरी में जहां जिले के ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के द्वारा ठेकेदार के साथ सांठगांठ कर ऐसे अमृत सरोवर का निर्माण कार्य किया गया है जिसमें वर्तमान में बूंद भर पानी नहीं है जिस अमृत सरोवर से किसानों को अपनी फसल सिंचित करने के लिए पानी की दरकार थी पर उक्त सरोवर में बूंद भर भी पानी नहीं होने से कृषक ने अमृत सरोवर में ही मटर की फसल लगा दी यहां अव्वल सवाल यह है कि क्या ग्रामीण यांत्रिकी विभाग के जिम्मेदार नुमाइंदों ने अपने द्वारा किए गए अमृत सरोवर का कभी हाल जानने का प्रयास भी किया है क्योंकि सरकार द्वारा जल संरक्षण को लेकर किए गए भागीरथी प्रयास अगर जिम्मेदारों के द्वारा शिद्दत के साथ धरातल में फलीभूत करने के प्रयास किए गए होते तो ये जो सूखे पड़े हुए अमृत सरोवर

हैं ये पानी से सराबोर होते यूं तो आयदिन दिन अमृत सरोवरों में हुए भ्रष्टाचार की खबरें मीडिया में छाई रहती हैं पर जिले में भ्रष्टों पर कार्यवाही कोरी हवाबाजी तक सीमित है जिसका खामियाजा जिले के किसानों सहित ग्रामीणों उठाना पड़ता है। जैसा कि गर्मी शुरू होने से पहले ही ग्रामीण अंचलों में जल संकट गहराने की खबरें प्रकाश में आने लगी है ।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, गुरुवार 13 फरवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

ओलंपियाड प्रतियोगिता में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मारी बाजी

तेंदूखेड़ा। SOF द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड प्रतियोगिता में जीके विषय पर श्री जी पब्लिक स्कूल की छात्राओं द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर संस्था और अपने अविभावकों को गौरवान्वित किया है।जिसमें संस्था की छात्रा साईनीती सेन पिता मुकेश सेन अनुश्री साहू पिता सपिन साहू माधवी लोधी पिताअजय सिंह लोधी सुभि साहू राजेश साहू यसिका साहू पिता लक्ष्मीनारायण साहू रिचा पटेल पिता दीनदयाल अन्वी पिता राघवेन्द्र पटेल अवंतिका पिता राजेश साहू समृद्धि पिता अखिलेश बाजपेई छात्र अनंत पिता राजेश श्रीवास्तव सभी को गोल्ड मेडल तथा प्रमाणपत्र संस्था द्वारा प्रदान किए गए। जिसमें प्रबंधक मलखान सिंह पटेल ऑलंपियाड प्रभारी सुनील केवट शिक्षक हरदीप सिंह मुटरेजा सुनील केवट साक्षी पटेल तथा विजेता छात्र- छात्राओ के अभिभावक उपस्थित रहे।

हिन्दूवादी संगठनों ने उठाये सवाल

दुष्कर्म के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली संदेहजनक

निकाली रैली, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। बुधवार को हिन्दुवादी संगठनों ने थाना करेली में एक युवती के साथ हुए दुष्कर्म की घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए पुलिस कार्यप्रणाली पर संदेह व्यक्त किया और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाये। जनपद मैदान में आयोजित सभा में कई वक्ताओं ने कहा कि पुलिस की कार्यप्रणाली इस मामले में संदेह पैदा करती है। वहीं जनपद काम्प्लेक्स से लेकर कलेक्ट्रेट तक रैली निकाली गई और आरोपी को फांसी देने की मांग की गई। साथ ही कहा गया कि एक नही 3-4 लोग इस घटना में शामिल हैं। ज्ञापन में कहा गया है कि दिनांक 10.2.2025 रात्रि के लगभग 12 से 1 बजे के बीच थाना करेली के अंतर्गत ग्राम लिंगा में हिन्दू परिवार की पीडिघ्ता अपने छोटे भाई के साथ घर में थी तभी उसके पडोस में रहने वाले युवक अरबाज तथा उसके साथ उसके घर में मेहमानी में आए अन्य 3 - 4 युवकों द्वारा पीडिघ्ता को उसके घर उठाकर लाए उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया तथा विरोध

करने पर उसे छत तसे नीचे फेंके दिया जिससे पीडिता को पैर और कमर में अस्ति नंग तथा शरीर के अन्य भागों, में गंभीर चोटे आई । ऐसी परिस्थिति में भी पुलिस अधिकारियों द्वारा घटना को गंभीरता न लेते हुए अपराधियों को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, तथा पीडिता के बयानों को भी इसी उद्देश्य से तोड मरोड कर लिखा गया है। पुलिस एवं प्रशासन के इसी रवैये के कारण न केवल जिले में बल्कि पूर पदेश में जिहादियों के हौसले बुलंद है और हमें यह ज्ञापन देने बाध्य होना पड़ा है करेली थाना क्षेत्र के ग्राम लिंगा तथा रांकई पिपरिया में अनेको जिहादियों ने गैर कानूनी रूप से शासकीय भूमियों पर अवैध कब्जा कर वहा अपना स्थाई निवास बना लिया है तथा लगातार अवैधानिक तथा देश विरोधी गतिविधियो में संलग्न है। ज्ञापन में मांग की गई है कि मामले में पुलिस की कार्यवाही संदेहास्पद है पुलिस द्वारा मामले को दबाने प्रयास किया जाकर आरोपियों को लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है। दोषियों पर शीघ्र कठोर कार्यवाही कर उन्हे फासी की सजा दिलाई जाने । दोषियों के घरों तथा संपत्तियो पर बुल्डोजर कार्यवही की जाकर उनके घरों को ध्वस्त किया जावे । ग्राम लिंगा तथा संकई में में बाहर से आकर बसे मुस्लिमों की जाँच की जाकर शासकीय भूमियों को अतिक्रमण मुक्त कराई जा कर उनके विरूद्ध कठोर दंण्डात्मक कार्यवाही की जावे । हमारी उक्त मांगों पर यदि 24 घंटे के भीतर ठोस कार्यवाही नही की गई तो हमें वृहत आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा जिसकी सारी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी ।

नागरिकों व बच्चों को बताये सायबर अपराध से बचने के तरीके

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। पुलिस महानिदेशक के निर्देशन में पुलिस प्रशासन नरसिंहपुर द्वारा जिले में सायबर अपराधों एवं हिंसा की रोकथाम और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से एक फरवरी से 11 फरवरी तक सायबर सुरक्षा जन जागरूकता अभियान ष्सेफ क्लिकष् चलाया गया। इस अभियान का समापन 12 फरवरी को किया गया। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सायबर मेले का आयोजन कर विद्यार्थियों एवं आमजनों को सायबर अपराध से बचने के तरीके बताये गये। साइबर अपराधों की रोकथाम और आम नागरिकों को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक फरवरी से 11 फरवरी तक चलाये गये विशेष अभियान ष्सेफ क्लिकष् के तहत सायबर मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं जनसमुदाय की मौजूदगी में पुलिस अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से वीडियो संदेशों के द्वारा लोगों को ऑनलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराधों से बचने के प्रति जागरूक किया गया। अभियान के अंतर्गत फ्रॉड स्कैम, डिजिटल अरेस्ट, पॉलिसी फ्रॉड, गेम फ्रॉड और अन्य साइबर अपराधों से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की गयी। पुलिस द्वारा तैयार किए गए वीडियो संदेशों में साइबर अपराधियों के नए- नए तरीकों, व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा और उनसे बचने के उपायों को सरल भाषा में समझाया गया, ताकि आमजन सतर्क रह कर किसी भी प्रकार की ऑनलाइन ठगी का शिकार न हों।

रासेयो स्वयंसेवको ने मनाई संत रविदास जयंती

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। एम आई एम टी रासेयो वार्षिक इकाई शिविर ग्राम पंचायत खैरी में स्वयंसेवकों द्वारा प्रथम सत्र में संत रविदास जयंती के अवसर पर ग्राम वासियों के साथ संत रविदास जी के मंदिर पर पूजन अर्चन किया गया। इस अवसर पर रिया जाट ने सामाजिक समरसता का संदेश देते हुए ग्राम वासियों एवं छात्र-छात्राओं का मार्गदर्शन किया। द्वितीय सत्र में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत मंदिर में साफ सफाई की ग्राम पंचायत भवन परिसर में गाजर घास उन्मूलन का कार्य किया गया इस अवसर पर पूर्व सरपंच ब्रजेश पटेल पंडित अशोक दुबे, पंच सुरेंद्र कटारे सहित ग्राम के गणमान्य जनों की उपस्थिति रही। शिविर के बौद्धिक सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सहायक प्राध्यापक शीतल जाट, स्वयंसेवक अंशुल रजक ,दीपांशु लोधी अनुजा जैन, रिद्धि श्री वात्रि मंचासीन रहे। अतिथियों द्वारा संत रविदास के जीवन पर प्रकाश डालते हुए जातिगत भेदभाव को दूर करने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय से लेक्चि. जितेंद्र मिश्रा कार्यक्रम अधिकारी द्वय सी पी गुप्ता एवं आराधना दुबे उपस्थित रहे।

श्रीमती साहू का निधन, अंत्येष्टि आज

नरसिंहपुर। चुन्नीलाल सीताराम परिवार की बड़ी बहू श्रीमती सरोज मनोहरलाल साहू का देवलोक गमन हो गया है। वे नरसिंहपुर जिले के प्रतिष्ठित नागरिक,वरिष्ठ कॉंग्रेसी नेता, समाजसेवी, व्यवसायी सेठ मनोहर लाल साहू की पत्नी और मयंक, मिलिंद की माताजी थीं। विदित हो कि स्व. श्रीमति सरोज हमेशा धार्मिक, सामाजिक और रचनात्मक कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाती थी। उनका अंतिम संस्कार आज 13फरवरी को नकटुआ मुक्तिधाम में सुबह 9 बजे किया जाएगा। उनके निधन पर सभी ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

दुष्कर्म के आरोपियों पर हो सख्त कार्रवाई-मुस्लिम समाज

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के थाना करेली अंतर्गत एक युवती के साथ हुई दुष्कर्म की घटना से सर्व समाज में आक्रोश है। उक्त घटना से आक्रोशित मुस्लिम समाज ने भी निंदा करते हुए दोषियों पर कठोर कार्रवाई की माँग की है। बुधवार को नगर की मुस्लिम समाज ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया को पुलिस अधीक्षक के नाम ज्ञापन सौंपकर बताया कि इस घटना से हम सभी बेहद दुखी हैं, सभी संगठनों की तरह मुस्लिम समाज भी इस घटना को लेकर बेहद दुखी है और समाज में आरोपियों को लेकर आक्रोश है। मुस्लिम समाज इस घटना की निंदा करते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग करता है।

159 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होंगी कक्षा 10 वीं व 12 वीं की बोर्ड परीक्षायें

27 हजार 342 परीक्षार्थी होंगे शामिल

कलेक्टर ने शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन के संबंध में दिये निर्देश

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल अंतर्गत हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी की बोर्ड परीक्षाओं के लिए कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन में जिले में 159 परीक्षा केन्द्र निर्धारित किये गये हैं। इन परीक्षा केन्द्रों पर कक्षा 10 वीं के 15 हजार 47 एवं कक्षा 12 वीं में 12 हजार 295 सहित कुल 27 हजार 342 परीक्षार्थी बोर्ड परीक्षाओं में शामिल होंगे। कलेक्टर श्रीमती पटले ने बोर्ड परीक्षाओं के शांतिपूर्ण संचालन के लिए सभी प्रकार की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश उत्कृष्ट विद्यालय में आयोजित बैठक में दिये। कलेक्टर ने परीक्षा संचालन से सबंधित सभी पदाधिकारी एवं केंद्र अधीक्षक को पूरी तत्परता एवं निष्ठा से कदाचार रहित परीक्षा संचालन कराने निर्देशित किया, ताकि किसी भी हालत में परीक्षा केंद्र पर कोई गड़बड़ी उत्पन्न न हो एवं परीक्षा कदाचार रहित संपन्न हो सकें। परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त वातावरण में सम्पन्न कराने को लेकर जिला प्रशासन दृढ़ संकल्पित है। कलेक्टर ने कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष परीक्षाओं का संचालन हो। सभी केन्द्राध्यक्ष, सहायक केन्द्राध्यक्ष, पर्यवेक्षकों को इसका अनुभव है। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा दिये गये निर्देशों का अक्षरशरू पालन सुनिश्चित करें। विद्यार्थियों के साथ शालीनता से बर्ताव हो। जिला शिक्षा अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि प्रश्न पत्रों की गोपनीयता बनी रहे। परीक्षाओं की गोपनीय सामग्री निर्धारित तिथियों में वितरित हो। परीक्षा केन्द्रों का सघन निरीक्षण हो। जिला शिक्षा अधिकारी अनिल व्यौहार ने बताया कि जिले में कक्षा 10 वीं के लिए 87 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। इनमें 10 हजार 279 शासकीय स्कूलों, 4 हजार 474 अशासकीय स्कूलों और 294 स्वाध्यायी सहित कुल 15 हजार 47 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इसी तरह कक्षा 12 वीं के लिए जिले में कुल 72 परीक्षा केन्द्र बनाये गये हैं। इनमें 8 हजार 358 शासकीय स्कूलों, 3 हजार 435 अशासकीय स्कूलों और 502 स्वाध्यायी सहित कुल 12

हजार 295 परीक्षार्थी शामिल होंगे।

12 वी की परीक्षा 25 फरवरी से तो 10 वी की परीक्षा 27 फरवरी से शुरू होगी

माध्यमिक शिक्षा मंडल मप्र भोपाल द्वारा वर्ष 2025 के लिए हाईस्कूल एवं हायर सैकेण्डरी परीक्षाओं का संचालन 25 फरवरी से किया जायेगा। एमपी बोर्ड द्वारा 10 वीं एवं 12 वीं बोर्ड के लिए घोषित किये गये परीक्षा कार्यक्रम अनुसार 12 वीं की परीक्षाएं 25 फरवरी 2025 से 25 मार्च तक आयोजित होंगी तथा कक्षा 10 वीं की परीक्षाएं 27 फरवरी 2025 से शुरू होकर 21 मार्च को समाप्त होगी। दोनों परीक्षाओं का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।

विदाई समारोह के नाम पर परोसी जा रही अश्लीलता

तेंदूखेड़ा। इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों द्वारा बारहवीं कक्षा के छात्रों का विदाई समारोह विद्यालय परिसरों में आयोजित किया जा रहा है जो इतनी आधुनिकता के माहौल में प्रस्तुत किया जा रहा है जिसकी चर्चाएं आम हो रही है। लंबी-लंबी कतारों के बीच महंगे वाहनों के बीच समारोह में पहुंचना फिर डीजे पर अश्लील संगीत से ना केवल रहवासियों ने विरोध जताया है बल्कि कुछ लोगों ने इस फूहड़ता पर रोक लगाने समारोह में मौजूद शिक्षकों को भी मना किया है। निश्चित तौर जहां अनुशासन का पाठ पढ़ाया जाना चाहिए वहां यदि इस तरह की गतिविधियां संचालित होंगी तो छात्र छात्राओं पर क्या प्रभाव पड़ेगा।इस व्यवस्था का कुछ पालकों ने सवाल उठायें है। तथा मांग की है कि शिक्षा के मंदिरों में भारतीय संस्कृति और परिवेश को ध्यान में रखते हुए ही आयोजन किये जायें। गौरतलब रहे कि इन दिनों तेंदूखेड़ा क्षेत्र में स्कूली छात्र खुले आम स्कूलों में मोबाइल फोन का उपयोग करते हुए। घरों से स्कूलों के नाम पर आकर कहीं और चलते बनते हैं। जिन्हें जंगलों की तलहटी में रंगरेलियां मनाते हुये देखा और पकड़ा भी जा रहा है फिर भी पालक वर्ग इन गतिविधियों को लेकर जरा भी सजग नहीं हो पा रहे हैं। एक और नई व्यवस्था मुख्य सड़क मार्ग पर एक होटल में घंटों के शुल्क के बीच शुरू हो गई है। बगैर किसी रोक टोक के इन विसंगतियों पर शायद सभी मूकदर्शक बने हुए हैं लेकिन समय रहते इन गतिविधियों पर विराम नहीं लगाया गया तो तेंदूखेड़ा की तासीर के लिए परिणाम गंभीर हो सकतें हैं। तेंदूखेड़ा क्षेत्र के सजग बुद्धिजीवियों द्वारा तत्काल प्रभाव से इन सभी गतिविधियों पर विराम लगाने की मांग संबंधित जवाबदार पक्षों से की है।

माघ पूर्णिमा पर नर्मदा में लगाई डुबकी

तेंदूखेड़ा। माघ पूर्णिमा के अवसर पर तेंदूखेड़ा क्षेत्र के अंतर्गत आसपास नर्मदा घाटों पर श्रद्धालुओं ने पहुंचकर आस्था की डुबकी लगाते हुए पूजन अर्चन किया। पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट बिल्थारी बारह सिमरिया छत्तरपुर करोंदी तथा ककरा घाट पर बड़ी संख्या में सुबह से ही श्रद्धालु पहुंचे स्नान कर पूजन अर्चन किया।दिन भर नर्मदा घाटों पर भीड़ भाड़ बनीं रही।

कन्या भोज भंडारे का आयोजन

प्रत्येक अमावस्या पूर्णिमा के अवसर पर क्षेत्र के प्रतिष्ठित कृषकों द्वारा एक कन्या भोज परिवार बनाया है जो पुण्य सलिला मां नर्मदा के पावन तट करोंदी घाट में पहुंच कर कन्या भोज कार्यक्रम आयोजित किया करतें हैं।साथ ही यहां पर स्थित श्री पंचमुखी हनुमान जी मंदिर में त्यागी जी महाराज का सहयोग बना रहता है।माघ पूर्णिमा के अवसर पर यहां पर क्षेत्र के सभी वर्गों के लोगों तथा प्रशासनिक अधिकारियों ने भी पहुंच कर अपनी सहभागिता दी। कन्याओं का पूजन कर भोजन ग्रहण कराया।

लोक निर्माण विभाग संदेह के घेरे में

नरसिंहपुर जाने वाले मार्ग के साइड शोल्डर पर घास उगी। कहीं पेंच वर्क तो कहीं सौतेलापन। बजट की राशि का हो रहा दुरुपयोग। अधिकारी विहीन रहता है कार्यालय।

गोटेगांव। नगर में फ़ौहारा चौक के समीप स्थित लोक निर्माण विभाग का कार्यालय हैं जहां पर एक दो कर्मचारी ही कार्यालय में रहते हैं मुख्य मुखिया अर्थात कार्यपालन यंत्री कार्यालय से हमेशा ही नदारत पाए जाते हैं विगत दस वर्षों से एक ही स्थान पर जमे इस विभाग के कार्यपालन यंत्री के ऊपर क्या राजनेताओं का वरदहस्त हो गया है या फिर शासन गांधारी की तरह बना बैठा है। इस विभाग में कुल कितने कर्मचारी पदस्थ हैं इसका भी कोई ड्यूटी चार्ट कार्यालय में नहीं है जिसका उल्लेख जरूरी है। कौन कहां पर सेवाएं दे रहा है इसकी भी जानकारी कार्यालय में होनी चाहिए। हमारे संवाददाता ने लगातार तीन दिन इस विभाग का दौरा किया तो महोदय जी का कुछ पता नहीं चला।जब हमारे संवाददाता ने जानकारी चाही तो संतोषजनक उत्तर नहीं मिला।यदि कभी कभार कार्यपालन यंत्री से बात हुई तो उन्होंने कहा कि जो छापना हो तो छाप दीजिए।जबकि जब कार्यपालन यंत्री गोटेगांव कार्यालय में पदस्थ हुए तो कुछ वर्षों तो कार्यालय में बैठकर कार्यालय की शोभा बढ़ाई तत्पश्चात कार्यालय में बैठना ही बंद कर दिया कभी कार्यालय में मिलते ही नहीं हैं।आखिर माजरा क्या है।

साइड शोल्डर में उग रही घास

लोक निर्माण विभाग की करनी कुछ इस तरह है कि गोटेगांव से जाने वाले चारों तरफ के मार्गों के साइड शोल्डर पर घास उग रही है जिससे दुर्घटनाओं को बल मिल रहा है और आए दिन दुर्घटनाएं होती जा रही हैं।इस ओर किसी अधिकारी का भी ध्यान नहीं है शासन के बजट का एक हिस्सा के कार्य तो होते ही नहीं है शासन का नियम है कि साइड शोल्डर खाली रहने चाहिए मगर इस तरफ किसी की नजरें अभी इनायत नहीं हुई।आखिर लोक निर्माण विभाग का बजट कहां जाता है यहां पर पदस्थ अधिकारी से जब बात की गई तो उन्होंने कहा कि मेरे हाथ में कुछ नहीं है सभी कुछ नरसिंहपुर यानी जिला।मुख्यालय से होता है जब जिला मुख्यालय से सब कुछ होता है तो फिर गोटेगांव लोक निर्माण विभाग में कार्यपालन यंत्री की पदस्थापना का क्या औचित्य है क्या सिर्फ ये तनख्वाह लेने बैठे हैं। नगर में यह विषय की जन चर्चा हो रही है।क्या इस विभाग की तरफ उच्च अधिकारी ध्यान नहीं देते या फिर सब सेटिंग के चलते कार्य संपादित किए जा रहे हैं।साइड शोल्डर पर झाड़ी झंकाड़ी ने अपना साम्राज्य स्थापित किया है सो साफ करने वाला भी चाहिए।और तो और विगत 12 फरवरी संत रविदास जयंती पर अवकाश रहता है इस दिन यहां का लोक निर्माण विभाग का कार्यालय भी खुला और कार्यपालन यंत्री भी नजर आए परन्तु और दिनों में ये नदारत पाए जाते हैं जिसकी चर्चा भी जोरो पर है।आखिर कार्यपालन यंत्री का ऑफिस में ना बैठना क्या कारण है समझ से परे है।

सड़कों में लगे पैबंद

विगत दिनों 23 जनवरी को मध्यप्रदेश के मुखिया का गोटेगांव में आगमन हुआ था जिसके तहत कुछ जगह जगह सड़कों पर पैबंद लगा कर खाना पूर्ति कर दी गई बाकी सड़कों की दशा दयनीय है।जनता से सवाल पूछने पर जनता ने बताया कि मध्य प्रदेश की सत्ता में बैठे सत्ता धीस हेलिकॉप्टर से इसलिए भी आते हैं तभी तो मंत्रियों को सड़क मार्ग का अंदाजा नहीं होता।प्रति वर्ष शासन लोक निर्माण के रखरखाव के लिए बजट में एक बड़ी राशि भी जारी करता है परंतु वह राशि कहां जाती है प्रदेश की जनता के समझ से बाहर है।समूचा प्रदेश में सड़कों का जो पिछली सरकार के जाल बिछाया था वो अब डेमेज होता नजर आने लगा है कहीं छोटे तो कही भारी भरकम गड्ढे नजर आ रहे है सड़के खुदी पड़ी हैं साइड शोल्डर पट्टी पर घास फूस उग रही है आखिर सत्ता के मद में चूर सत्ता धीस और अधिकारी इस ओर ध्यान ही नहीं देते है जिससे पूर्व वर्ती सरकारों का स्मरण होने लगा है।